



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

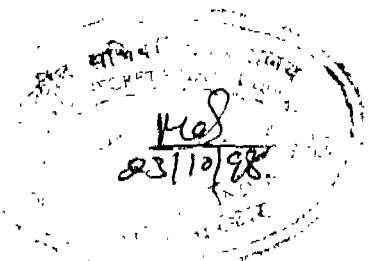
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 106]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 8, 1998/बैशाख 18, 1920
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 8, 1998/BAISHAKHA 18, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या-13 (आर. ई. 98)/1997—2002

नई दिल्ली, 8 मई, 1998

विषय : निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के अध्याय-8 के अन्तर्गत नामित प्राधिकारियों से लिए गए स्वर्ण चांदी/प्लेटिनम की रिलीज/निर्यात दायित्व पूरा करने हेतु समय सीमा का विस्तार।

फा.सं. 5/36/97-पी.सी. 2 (पार्ट)।—निर्यात और आयात नीति के अध्याय-8 के अन्तर्गत स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम आभूषणों के निर्यात की विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की प्रतिपूर्ति करने तथा समग्र क्रय के अन्तर्गत अथवा छूट आधार पर निर्यात करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित की गई है। निर्यात और आयात नीति, 1992—97 के अन्तर्गत इस व्यवस्था के साथ कि 30 दिनों तक के अतिरिक्त विस्तार पर महानिदेशक, विदेश व्यापार विचार कर सकते थे, इन सभी स्कीमों के लिए एक विशेष समय सीमा निर्धारित की गई थी।

2. तथापि, निर्यात और आयात नीति 1997—2002 में नामित एजेंसियों से स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की प्रतिपूर्ति करने/निर्यात दायित्व पूरा करने हेतु समय सीमा के अतिरिक्त विस्तार देने से संबंधी व्यवस्था हटा दी गई है चूंकि निर्यात दायित्व को पूरा करने/प्रतिपूर्ति करने की अवधि में 30 दिनों की वृद्धि कर दी गई है।

3. 31 मार्च, 1997 को मई निर्यात और आयात नीति की घोषणा के बाद कुछ मामलों के बारे में पता चला जिनमें 1—4—97 को अध्या उसके बाद नामित एजेंसियों से हुए करारों के संबंध में कई निर्यातक निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्यात करने में असमर्थ रहे लेकिन उन्हें बाद में निर्यात पूरा कर लिया और इस प्रकार निर्यातक निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्यात पूरा न करने के कारण स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की प्रतिपूर्ति स्कीम का साभ नहीं उठा पाए।

4. जहां नामजद अभिकरणों के साथ करार 1—4—97 को या इसके पश्चात किया गया है और निर्यात दायित्व पूरा करने की तारीख 13—4—98 को या इससे पूर्व ही निकल चुकी है तो ऐसे मामलों में एक मुश्त राहत देश के उद्देश्य से निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के ऐसाग्राफ 4.11 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार द्वारा निम्नलिखित प्रक्रियाओं को अधिसूचित किया गया है:—

(1) जिन मामलों में निर्यात पहले पूरा किया जा चुका है किन्तु प्रतिपूर्ति का दावा निर्धारित समय-सीमा के भीतर नहीं किया गया है, वहाँ प्रतिपूर्ति के आवेदन पर नामजद अभिकरणों द्वारा विचार किया जा सकता है,

(2) जिन मामलों में स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम को नामजद अभिकरणों के पास बुक किया जा चुका है किन्तु निर्यात निर्धारित समय सीमा के भीतर नहीं किया गया है किन्तु ऐसे बाद में पूरा किया गया है, वास्तविक निर्यातकों के संबंध में निर्यात में हुई देरी के लिए धारु की ऐसी बुकिंग पर लगाने वाले शुल्क पर 24 प्रतिशत की दर से व्याज के बराबर जुमनि का भुगतान करने पर ऐसे मामलों को नियमित किया जा सकता है ।

(3) उपर्युक्त के अनुसार मामले को नियमित करने के पश्चात् सामान्यतः लागू शर्तों के अधीन ऐसे निर्यातकों को स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम देना जारी रखा जा सकता है ।

5. यह एक मुश्त राहत है, अतः निर्यातकों को सलाह दी जाती है कि वे निर्यात आयात-नीति/प्रक्रियाओं के अनुसार प्रतिपूर्ति का दाया करने/निर्यात करने संबंधी निर्धारित समय-सीमा का पालन करें ।

6. इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

एन. एल. लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 13 (RE : 98)/1997-2002

New Delhi, the 8th May, 1998

Subject : Extension of time limit for completing export obligation/release of Gold/Silver/Platinum taken from the designated authorities under Chapter-8 of the Exim Policy, 1997-2002.

F. No. 5/36/97-PC II (Pt.)—Under various schemes of exports of Gold/Silver/Platinum Jewellery under Chapter 8 of the Exim Policy, a time limit has been prescribed for taking replenishment of Gold/Silver/Platinum and for effecting exports under outright purchase or on loan basis. Under the Exim Policy, 1992-97, for all these schemes a specific time limit was provided with a provision that further extension upto 30 days could be considered by Director General of Foreign Trade.

2. However, in the Exim Policy, 1997-2002 the provision relating to grant of further extension of time limit for completing the export obligation/taking replenishment of Gold/Silver/Platinum from the nominated agencies has been done away with as the period for completion of export obligation/taking replenishment has been increased by 30 days.

3. After announcement of new Exim Policy on 31st March, 1997, few cases came to the notice wherein, in respect of contracts effected with the nominated agencies on or after 1-4-1997, many of the exporters were not able to do exports within the prescribed time limit but completed exports subsequently and exporters could not draw the Gold/Silver/Platinum under Replenishment scheme within the prescribed limit after exports have been completed.

4. In order to provide one time relief to such cases where contracts with nominated agencies have been entered into on or after 1-4-97 and date of export obligation period/date of taking replenishment has already become due on or before 13-4-98, in exercise of the powers conferred on him under Paragraph 4.11 of the Export & Import Policy, 1997-2002, the following procedures are notified by Director General of Foreign Trade :

- (i) In respect of cases where exports have been completed first but replenishment has not been claimed within prescribed time limit, request of replenishment may be considered by the nominated agencies;
- (ii) In respect of cases where Gold/Silver/Platinum has been booked with the nominated agencies but exports have not been effected within prescribed time limit, but have been completed subsequently, in respect of bona fide exporters, such cases may be regularised on payment of penalty equivalent to interest @ 24% on duty involved in such booking of the metal, for delayed period of exports; and
- (iii) After regularisation of the case as above, further release of Gold/Silver/Platinum to such exporters can be continued subject to terms and conditions as are normally applicable.

5. This being one time relief, exporters are advised that they must strictly adhere to the time limit prescribed for taking replenishment/effecting exports prescribed in Exim Policy/Procedures.

6. This issues in public interest.

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade